लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 1290

11 फरवरी, 2019 को उत्तर के लिए

इस्पात के उत्पादन में गिरावट

1290. श्री रामदास सी. तडसः

श्री चन्द्र प्रकाश जोशीः

श्री रवनीत सिंहः

क्या इस्पात मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या विगत चार वर्षों में प्रत्येक वर्ष और चालू वर्ष के दौरान इस्पात के उत्पादन में गिरावट आई है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और इसके क्या कारण हैं;

(ख) क्या देश में इस्पात आयात में कमी आई है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और उक्त अवधि के दौरान कितनी मात्रा में इस्पात का आयात हुआ है;

(ग) क्या सरकार ने इस्पात का उत्पादन बढ़ाने हेतु राष्ट्रीय इस्पात नीति का पालन किया है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(घ) क्या उक्त अवधि के दौरान स्टील अथारिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड को घाटा हुआ है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है तथा इसके क्या कारण हैं?

उत्तर

इस्पात राज्य मंत्री **(श्री विष्णु देव साय)**

(क): जी नहीं। गत चार वर्षों और चालू वर्ष अर्थात् अप्रैल-दिसंबर, 2018 के दौरान क्रूड इस्पात और कुल फिनिश्ड इस्पात (नॉन-अलॉय + अलॉय/स्टेनलेस) के उत्पादन आंकड़े निम्नानुसार है:

वर्ष	**उत्पादन (एमटी में)**	
	क्रूड इस्पात	**कुल फिनिश्ड इस्पात (नॉन-अलॉय+अलॉय/स्टेनलेस)**
2014-15	88.98	104.58
2015-16	89.79	106.60
2016-17	97.94	120.14
2017-18	103.13	126.85
अप्रैल-दिसंबर 2018*	79.059	97.598
स्रोत: संयुक्त संयंत्र समिति (जेपीसी); * अनंतिम		

(ख): गत चार वर्षों और चालू वर्ष अर्थात् अप्रैल-दिसंबर 2018 के दौरान कुल फिनिश्ड इस्पात (नॉन-अलॉय+अलॉय/स्टेनलेस) के संपूर्ण आयात के आंकड़े निम्नानुसार है:-

कुल फिनिश्ड इस्पात (अलॉय + नॉन-अलॉय) आयात	
वर्ष	**मात्रा (एमटी)**
2014-15	9.32
2015-16	11.71
2016-17	7.23
2017-18	7.48
अप्रैल-दिसंबर 2018*	5.91
स्रोत: जेपीसी; * अनंतिम	

(ग): जी हाँ। राष्ट्रीय इस्पात नीति, 2017 पूर्व-परिभाषित आर्थिक विकास पथ पर अग्रसर होने के लिए इस्पात उद्योग हेतु एक रोडमैप है। इस्पात उद्योग की घरेलू क्षमता में किसी भी प्रकार का परिवर्तन सुदृढ़ वाणिज्यिक आवश्यकताओं और प्रयासों के आधार पर भारत की इस्पात कंपनियों द्वारा (सार्वजनिक क्षेत्र सहित) किए गए निवेश पर निर्भर करता है। सरकार घरेलू क्षमता में होने वाले परिवर्तन में शामिल नहीं है क्योंकि इस्पात एक नियंत्रणमुक्त उद्योग है।

(घ): गत चार वर्षों के लिए सेल का वर्ष-वार कर-पूर्व लाभ (पीबीटी) और कर-पश्चात् लाभ (पीएटी) निम्नानुसार है:-

(राशि करोड़ रुपये में)

वर्ष	**कर-पूर्व लाभ(+)/हानि(-) (पीबीटी)**	**कर-पश्चात् लाभ(+)/हानि(-) (पीएटी)**
2014-15	2359	2093
2015-16	-7008	-4021
2016-17	-4851	-2833
2017-18	-759	-482

सेल को वित्त-वर्ष 2015-16 से 2017-18 तक निम्न कारणों से हानि हुई है:

- इस्पात उत्पादों का निवल बिक्री की प्राप्ति में कमी।
- विशेष रूप से वर्ष 2016-17 से आयातित कोयले की कीमतों में वृद्धि।
- डिस्ट्रिक्ट मिनरल फाउंडेशन (डीएमएफ) और नेशनल मिनरल एक्सप्लोरेशन ट्रस्ट (एनएमईटी) को किए जाने वाले योगदान की लेवी का प्रतिकूल प्रभाव।
- स्वदेशी कोयले की कम उपलब्धता के कारण ब्लेंड में आयातित कोयले का अधिक उपयोग करना।
- वेतन एवं मजदूरी में बढ़ोतरी।
- उच्चतर ब्याज अधिभार और आवधिक जमा से अर्जित ब्याज में कमी।
- नई सुविधाओं के पूँजीकरण के कारण उच्चतर मूल्य में कमी हुई।

तथापि, विगत 3 वर्षों से सेल की हानियों में कमी हो रही है।

****